केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा बने टीचर, ली आईआईएम, रांची में क्लास

ranchi@inext.co.in

RANCHI (23 June): शनिवार को आईआईएम के छात्रों के लिए काफी बड़ा दिन था. हो भी क्यों न, उनकी क्लास लेने नए टीचर केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री जयंत सिन्हा जो आ रहे थे. शनिवार को रांची के आईआईएम में मंत्री ने अपने व्यस्त शेडयूल में से समय निकालकर बच्चों से बातें की और उन्हें देश के विकास में सहभागिता का पाठ पढ़ाया. बच्चों ने भी पूरे क्लास को काफी एंज्वाय किया और उनसे काफी सारे सवाल भी पूछे.

छात्रों की भूमिका कैसे अहम

मंत्री ने छात्रों को बताया कि कैसे देश को बदलने में छात्रों की भूमिका अहम हो जाती है. देश को एग्रीकल्चर को इंडस्ट्रीज के रूप में बदलने की जरूरत है. इसके स्वरुप में बदलने में आप अहम भूमिका निभा सकते हैं. मंत्री ने इंटरएक्टिव सेशन में छात्रों के कई रोचक प्रश्नों के जवाब भी दिए.

डेवलपमेंट का पढ़ाया पाठ

मंत्री जयंत सिन्हा ने छात्र-छात्राओं से कहा कि आप अपने करियर डेवलेपमेंट के बारे में सुनना पसंद करेंगे या देश के विकास में आपकी क्या भूमिका होनी चाहिए इस बारे में बात करूं. इस पर सभी विद्यार्थियों ने कहा कि देश के विकास में हमारी भूमिका के बारे में बताएं, इस पर मंत्री ने कहा मुझे उम्मीद थी कि आप अपने करियर के बारे में बात करेंगे, लेकिन देश के डेवलपमेंट की बात कही. इस दौरान मंत्री ने स्टूडेंट्स को देश के डेवलपमेंट का पाठ पढ़ाया.

आईआईएम, रांची के कार्यक्रम में बोलते केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा.

- केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री ने आईआईएम के छात्रों को पढ़ाया देश के विकास में सहभागिता का पाठ
- कम साधन में भी डेवलेपमेंट की ओर बढ़ें : जयंत सिन्हा
- एग्रीकल्चर को इंडस्ट्रीज बनाने में बड़ा रोल होगा. जयंत सिन्हा

एग्रीकल्चर को स्किल बनाना होगा

मंत्री ने कहा कि आईआईएम के छात्र एग्रीकल्चर में ऐसी सप्लाइ चेन डेवलेप करें जिसका फायदा किसान को हो. रूरल इकोनॉमी डेवलेप करेगी तो देश आगे बढ़ेगा. इन्होंने डेयरी प्रोडक्शन, फार्म सेटअप की बात की. कहा, ऐसी व्यवस्था करें कि किसान को अधिक से अधिक फायदा हो. एग्रीकल्चर में स्किल डेवलेपमेंट की ओर आगे बढ़ा जाए. इसमें मैनेजमेंट के छात्र अहम भूमिका निभा सकते हैं. यदि आप सिविल सर्वेंट भी बनते हैं तो वहां भी इस क्षेत्र में काम करने के मौके हैं. कहा, हमारा मकसद इंप्लाई जेनरेट करने का भी हो. सभी की मेहनत से समग्र विकास होगा और लक्ष्य हासिल करना संभव होगा.

inext, 24.06.2018, Pg. II